विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -14- 10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज उपसर्ग बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

उपसर्ग

परिचय :

उपसर्गों का प्रयोग नए शब्दों की रचना के लिए किया जाता है। नए शब्द बनाने के लिए मूल शब्दों के आरंभ में या उनके आगे कुछ शब्दांशों को जोड़ दिया जाता है। इससे मूल शब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है। ऐसे ही शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं।

परिभाषा :

भाषा के वे अर्थवान छोटे-छोटे खंड जो शब्दों में आगे जुड़कर नए शब्द बनाते हैं और उनके अर्थ में बदलाव लाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

उदाहरण –

मूल शब्द	नए शब्द	शब्द-रचना
योग	प्रयोग	(प्र + योग)
हार	आहार	(आ + हार)
कार	अधिकार	(अधि + कार)
कूल	अनुकूल	(अनु + कूल)

यहाँ 'प्र', 'आ', 'अधि', 'अनु' उपसर्ग हैं।

मूल शब्दों के साथ उपसर्ग का प्रयोग करने से –

(क) नया शब्द बनता है।
(ख) मूल शब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है। कभी-कभी अर्थ में बदलाव न आकर विशेषता आ जाती है।
(ग) उपसर्गों का प्रयोग स्वतंत्र अर्थ में नहीं किया जाता है।

लिखकर याद करें।